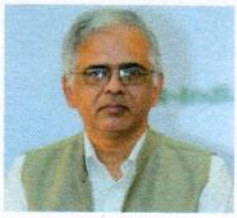

डॉ. शेखर चि. मांडे
महानिदेशक, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर)
अनुसंधान भवन, 2, रफी मार्ग, नई दिल्ली–110001

द्वारा

अपील

हिंदी दिवस के अवसर पर सीएसआईआर परिवार के सभी सदस्यों को मेरी ओर से हार्दिक शुभकामनाएं।

साथियों, हमारे देश की सांस्कृतिक विभिन्नता में एकता का प्रतीक हमारी भाषा है। देश को एक सूत्र में बांधने के लिए भाषा की अहम भूमिका होती है। भाषा ही है, जो विभिन्न समुदायों और संस्कृतियों के बीच सेतु का काम करती है। निश्चित रूप से किसी देश की साहित्यिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, पारम्परिक धरोहर को पुष्पित एवं पल्लवित करने का कार्य भाषा का ही होता है। मेरा मानना है कि हमारी राजभाषा हिंदी विचारों और भावों की अभिव्यक्ति में पूर्णत: सक्षम है और सरलता एवं सहजता जैसी विशेषताओं से युक्त है। इसमें कोई संदेह नहीं कि विश्व के सभी विकसित एवं विकासशील देश अपनी–अपनी भाषा में काम करके समृद्ध एवं उन्नत हुए हैं। अत: अपनी भाषा पर पकड़ और अपनी भाषा का कार्यालयी कार्यो में उपयोग किया जाना नितान्त आवश्यक है। मैं समझता हूं कि हिंदी के प्रचार–प्रसार को उत्तरोत्तर बढ़ाने के लिए यह आवश्यक है कि हम हिंदी को अपनी मूल चिंतन प्रक्रिया का माध्यम बनाएं। हिंदी दिवस के इस पुनीत अवसर पर सीएसआईआर परिवार के सभी सदस्यों से मैं यह आग्रह करता हूं कि भारत सरकार के अन्य नियमों, आदेशों व अनुदेशों की भांति राजभाषा नीति संबंधी नियमों व अनुदेशों का भी दृढ़तापूर्वक पालन करें। इस अवसर पर सीएसआईआर की सभी प्रयोगशालाओं/संस्थानों से मेरा यह आह्वान है कि राजभाषा के साथ–साथ अन्य प्रादेशिक भाषाओं के विकास, संवर्धन एवं संरक्षण की दृष्टि से ''आजादी के अमृत महोत्सव'' के अंग के रूप में अपने अपने कार्यालयों में 10 जनवरी 2022 को विश्व हिंदी दिवस और 21 फरवरी 2022 को अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस भी मनाएं। इस संदर्भ में सभी कार्मिकों विशेष रूप से युवा पीढ़ी के वैज्ञानिकों से मेरा यह अनुरोध है कि वे अपना अधिकाधिक काम राजभाषा हिंदी में करने के साथ–साथ विज्ञान से जुड़े लेखों, तथ्यों, अवधारणाओं, जानकारियों आदि को अपनी मातृभाषा/क्षेत्रीय भाषा में भी प्रस्तुत करने का प्रयास करें ताकि वैज्ञानिक दृष्टिकोण को हिंदी के साथ–साथ भारत की विभिन्न क्षेत्रीय भाषाओं में ढाल कर उसे गांव–गांव, कस्बे–कस्बे, नुक्कड़–नुक्कड़ तक पंहुचाया जा सके और एक असाधारण उपलब्धि अर्जित की जा सके। अंत में आप सभी से आग्रह करूंगा कि आप राजभाषा विभाग के वार्षिक कार्यक्रम में निर्धारित किए गए लक्ष्यों को प्राप्त करने में रुचि दिखाएं और अपने कार्यालयी कामकाज को राजभाषा हिंदी के माध्यम से सम्पन्न करने हेतु प्रतिबद्ध रहें।

आइये हिंदी दिवस के इस पावन अवसर पर हम सब मिलकर राजभाषा हिंदी की सतत प्रगति हेतु संकल्प लें।

जय हिन्द, जय विज्ञान

नई दिल्ली, 14 सितम्बर 2021

(डॉ. शेखर चि. मांडे)